PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 046
दि. 15.06.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने "भारत इनोवेट्स 2026" का उद्घाटन किया, भारत-फ्रांस डीप टेक गठबंधन और मजबूत

भारत और फ्रांस के बीच तकनीकी संबंध और मजबूत: प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नीस में 'भारत इनोवेट्स' के पहले संस्करण की शुरूआत की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आज फ्रांस के नीस में पैले दे एक्सपोज़िशन दे नीस में भारत इनोवेट्स 2026 के प्रथम संस्करण का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। शिक्षा मंत्रालय की एक पहल के रूप में आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम, भारत के डीप-टेक इनोवेटर्स और वैश्विक हितधारकों के बीच नवाचार-आधारित साझेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है।

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल तथा सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय कुमार सूद सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवाचार और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती नेतृत्व क्षमता पर जोर दिया और कहा, "भारत बड़े पैमाने पर और तेजी से नवाचार करता है। भारत एक टिकाऊ भविष्य के लिए नवाचार करता है, और भारत पूरी दुनिया के लिए नवाचार करता है। नवाचार भारत के डीएनए में है। 'भारत इनोवेट्स' दुनिया के लिए एक निमंत्रण है कि वे भारत के साथ मिलकर ग्लोबल नवाचार का अगला अध्याय तैयार करें।"

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत के शानदार नवाचार इकोसिस्टम की सराहना की और कहा, "मेरा पक्का विश्वास है कि आज नीस में भारत के बाहर पहली बार आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम, हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले मजबूत रिश्तों का सशक्त प्रमाण है। ये रिश्ते लंबे समय से चली आ रही टेक्नोलॉजी, विज्ञान और उद्योग की साझेदारी पर आधारित हैं, जिसमें हाल के वर्षों में जबरदस्त बदलाव आया है। ये संबंध लंबे समय से चली आ रही तकनीकी, वैज्ञानिक और औद्योगिक साझेदारी पर आधारित हैं, जिसने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। यह इस बात को भी दशार्ता है कि हमारी वैज्ञानिक, उद्यमशील और औद्योगिक क्षमताओं के माध्यम से हमारे दोनों देशों के पास मिलकर निर्माण करने के लिए अभी बहुत कुछ है।"

उद्घाटन के बाद, दोनों नेताओं ने भारत इनोवेट्स इनोवेशन पैविलियन का दौरा किया। यहाँ भारतीय नवप्रवर्तकों और देश के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा विकसित 120 अत्याधुनिक तकनीकों और क्रांतिकारी नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। ये नवाचार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, गतिशीलता और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी बायोटेक्नोलॉजी, जैसे क्षेत्रों से जुड़े थे।

भारत इनोवेट्स का उद्देश्य भारतीय डीप-टेक नवाचारों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित और प्रोत्साहित करना है, ताकि दुनिया भर के निवेशकों, उद्योग जगत, संस्थानों और नवप्रवर्तकों के साथ साझेदारियों को बढ़ावा मिल सके। इससे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, शिक्षा और उद्यमिता के क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के साथ-साथ वैश्विक नवाचार नेटवर्क में भारत की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

14 से 16 जून 2026 तक तीन दिन तक आयोजित होने वाला भारत इनोवेट्स 2026 एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें 11 उच्च-स्तरीय पैनल चचाएं, विभिन्न क्षेत्रों पर केन्द्रित मास्टरक्लास, क्यूरेटेड बी2बी मैचमेकिंग बैठकें, 50 से अधिक स्टार्टअप्स की भागीदारी वाले विशेष निवेशक पिच सत्र, तथा वैश्विक निवेशकों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, इनक्यूबेटरों और नीति-निमार्ताओं के साथ समर्पित नेटवर्किंग सत्र शामिल हैं। यह कार्यक्रम वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों, शिक्षाविदों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाता है, जहां वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, अंतरिक्ष, रक्षा और जलवायु प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श करेंगे।

भारत इनोवेट्स का प्रथम संस्करण भारत और फ्रांस की उस साझी प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिसके अंतर्गत दोनों देश सहयोग, प्रतिभा और परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों से प्रेरित भविष्य-के लिए तैयार एक नवाचार इकोसिस्टम तैयार करने को बढ़ावा देना चाहते हैं।

विश्व नेताओं ने अमरीका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया

विश्व नेताओं ने अमरीका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया है और इसे पश्चिम एशिया में स्थायित्व बहाल करने के दिशा में महत्वपूर्ण राजनयिक कदम

बताया है। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों की भूमिका की सराहना की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसे युद्ध समाप्त करने, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है।

भारत में स्वास्थ्य सेवा में 12 वर्षों की प्रगति: पीएम मोदी और अमित शाह ने सराहा

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश ने पिछले 12 वर्षों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए काम किया है और सरकार ऐसे सभी पहलों पर काम करती रहेगी ताकि एक स्वस्थ भारत का निर्माण हो सके।

मोदी ने यह भी कहा कि सरकार को गर्व है जब "भारत को दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत, के देश के रूप में जाना जाता है, जो सबसे कमजोर वर्गों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, "पिछले 12 वर्षों में भारत ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए काम किया है।" उन्होंने कहा कि पीएम भारतीय जन औषधि योजना जैसे अन्य प्रयासों ने दवाओं, स्टेंट और घुटने के इम्प्लांट को किफायती बनाया है और इससे कई लोगों को मदद मिली है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा भी अधिक संस्थानों और सीटों के उपलब्ध होने के कारण लोगों के लिए अधिक सुलभ हो गई है। उन्होंने कहा, "हम इस क्षेत्र में अब तक की गई प्रगति को आगे बढ़ाते रहेंगे ताकि एक स्वस्थ भारत का निर्माण हो सके।" केंद्र सरकार का एक प्रमुख नागरिक सहभागिता मंच 'मायगव इंडिया' ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा की सुलभता एक राष्ट्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रगति की है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा अधिक लोगों तक, अधिक कुशलता से और अधिक किफायती तरीके से पहुंचे।

सीएम योगी के 'चेले चपाटे' वाले बयान पर अखिलेश यादव का पलटवार, बोले- '2017 से पहले उन्हें कोई...'

(जीएनएस)।

आगरा, अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी मामले सीएम योगी के बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि देश में बीजेपी नकारात्मक पॉलिटिक्स करती है. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि साल 2017 से पहले सीएम योगी को कोई नहीं जानता था.

सीएम योगी के चेले चपाटे वाले बयान पर अखिलेश यादव ने कहा, "अपने गुरुओं को कौन संभालेगा? उस विषय को नहीं छेड़ना चाहता हूं. देश में बीजेपी ने नकारात्मक पॉलिटिक्स की है. हजारों करोड़ रुपये वे इस बात के लिए खर्च करते हैं कि किसी की छवि कैसे खराब की जाए. 2017 से पहले सीएम योगी की पहचान नहीं थी. 2017 से पहले लोग उनको नहीं जानते था."

इसके अलावा उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर युवाओं को नौकरियों का मुद्दा प्राथमिकता बनेगा और पेपर लीक जैसी घटनाओं को पूरी तरह रोका जाएगा. अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में छोटे कारोबारी बर्बाद हो रहे हैं, जबकि चोरत कारोबारी ही खुशहाली की बुनियाद हैं और इससे छह करोड़ से अधिक परिवार जुड़े हुए हैं.

सपा प्रमुख ने यह बयान आगरा में आयोजित प्रेस वार्ता में दिया. उन्होंने समाज के सभी वर्गों से समर्थन की अपील की और कहा कि आने वाले चुनावों में इंडिया गठबंधन बीजेपी को हरा देगा. इसके साथ ही उन्होंने अयोध्या में दानपात्र में चोरी और बंगाल चुनाव में बेईमानी को ललर बीजेपी को घेरा.

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर हफ्ता वसूली पर सख्त कार्रवाई होगी, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वेंडर सुरक्षा हेल्प लाइन शुरू की जाएगी. वीडियो सुबूत भेजने पर 48 घंटे में एफआईआर होगी और बाजार में तैनात कर्मचारिओं के लिए बॉडी कैमरा अनिवार्य होगा. उन्होंने बिजली कटौती के स्थाई समाधान का दावा किया और ऑनलाइन कारोबार से मुकाबले के लिए छोटे व्यापारियों की मदद करने का भी ऐलान किया.

बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए अखिलेश यादव ने बड़ो को बढाओ और छोटों को मिटाओ की नीति बताते हुए कहा कि बीजेपी सरकार कारीगरों को मजदूर बनाने पर तुली हुई है. उन्होंने कहा कि एक ताराग बीजेपी 13 साल का जश्न मना रही है कि लेकिन क्या पेट्रोल पंप पर जाकर ऐसा एहसास होता है. विश्व गुरु बनने का मौका छोड़ दिया, पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे बिना बताए पाकिस्तान चले गए थे वैसे ईरान चले जाते.

पेपर लीक के जरिए अपने लोगों को एडमिशन दिलवाने का आरोप

पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पेपर लीक इसलिए हो रहे हैं क्यूंकि सत्ता पक्ष के लोगों को एडमिशन दिलवाना है. आगे बोले कि जो विश्वगुरु बनने का दावा कर रहे थे, वो अब पेपर लेकर तक नहीं रोक पा रहे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले उनकी कोई पहचान नहीं थी.

चुनावी रणनीति

अखिलेश यादव ने पीडीए यानि पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक का महत्व बढाने पर जोर देते हुए कहा कि प्रेम, दया और अपनापन बढाने से पीडीए और मजबूत होगा. उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मूदा उठाया और कहा कि सनातन धर्म के अपमान से जुड़े मामले में जांच क्यों नहीं हो रही ?

इसके अलावा उन्होंने फिर दोहराया कि इंडिया गठबंधन चुनाव लडेगा और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस 403 सीटों पर तैयारी कर रही है. नई रणनीति के सवाल पर कहा कि हम अभी आपको बताएँगे नहीं .

विदिशा में कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया KVK कृषि विज्ञान केंद्र का भूमिपूजन, विदिशा में किसानों की पाठशाला सम्पन्न

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा के बेरखेड़ी जद्दू में किसानों की अनूठी 'पाठशाला' लगाकर खेती बदलने का बड़ा संकल्प सामने रखा। यहाँ औपचारिक सभा और लंबे स्वागत भाषणों की जगह श्री शिवराज सिंह और अन्य जनप्रतिनिधियों एवं वैज्ञानिकों की उपस्थिति में सीधे खेत और किसान पर फोकस रहा, जहाँ मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र के शिलान्यास के साथ विदिशा, रायसेन, सीहोर और देवास के लिए वैज्ञानिक खेती का रोडमैप, 'खेत बचाओ अभियान' और आधुनिक मशीनरीइन्नोवेशन की पूरी श्रृंखला लॉन्च की गई। किसान भाइयोंझ बहनों से सहज, बोलचाल की भाषा में संवाद करते हुए शिवराज मारसाब ने साफ कहा कि यह कोई राजनीतिक सभा नहीं, बल्कि खेती की क्लास है, जहाँ ढाई एकड़ जमीन वाले छोटे किसान को भी इंटीग्रेटेड फार्मिंग, संतुलित खाद, अच्छी मिट्टी और अच्छी तकनीक के सहारे सम्मानजनक आजीविका दिलाने का संकल्प है।

विदिशा में किसानों की पाठशाला

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शुरूआत में ही साफ कर दिया कि यह कार्यक्रम भीड़ जुटाने या भाषण देने के लिए नहीं, बल्कि किसानों की ट्रेनिंग के लिए है। उन्होंने मीडिया को भी बताया कि यहाँ आए किसान किसी बस या गाड़ी से भरकर नहीं लाए गए, जो सीखना चाहता है वह अपने साधन से आया है, इसलिए मंचीय औपचारिकताओं की जगह सीधी क्लास होगी। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि यहाँ बैठे हर किसान को विद्यार्थी माना जाए, जिनके लिए वैज्ञानिक अपनी बात सीमित शब्दों में रखेंगे और फिर सीधे खेत में ले जाकर मशीनों और नई तकनीक का प्रदर्शन किया जाएगा।

मॉडल KVK: 49 एकड़ की जीवंत प्रयोगशाला

बेरखेड़ी जद्दू में बनने वाला यह कृषि विज्ञान केंद्र 49 एकड़ जमीन पर देश का मॉडल KVK होगा, जहाँ इसी खरीफ सीजन से प्रदर्शन प्लॉटों पर आधुनिक तरीके से खेती शुरू होगी। श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि बिल्डिंग का इंतजार किए बिना खेत पर काम तुरंत शुरू होगा- किसान को आँखों से दिखाकर सिखाया जाएगा, सिर्फ सुनाकर नहीं। इस KVK से ICAR के 113 संस्थानों और 1700 से अधिक KVK-संस्थानों के नेटवर्क की रिसर्च सीधे विदिशा-अंचल के किसानों तक मोबाइल, डेमो और प्रशिक्षण के जरिए पहुंचाई जाएगी।

400 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्टअप विकास के अगले चरण को आगे बढ़ा रहे हैं: केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नीतिगत सुधारों, बढ़ती निजी भागीदारी और तेजी से हो रहे नवाचार के कारण भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले दशक में वर्तमान 8-9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर लगभग 40-45 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यहां एक प्रेस सम्‍ मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में हो रहा परिवर्तन पूरे देश में हो रहे एक व्यापक बदलाव को दशार्ता है, जहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चेतना का

हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक विज्ञान और समाज के बीच बढ़ता जुड़ाव है। इसमें नागरिक खुद को भारत की वैज्ञानिक प्रगति में भागीदार के रूप में देख रहे हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, "सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि आज आम नागरिक भारत की वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ाव महसूस करता है और उसमें अपनी हिस्सेदारी देखता है।"

मंत्री जी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का बढ़ता महत्व प्रधानमंत्री नरेन्‍ द्र मोदी की दूरदृष्टि को दशार्ता है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधनों के माध्यम से विज्ञान आधारित पहलों को लगातार राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, डिजिटल हेल्थ, डीप ओशन मिशन और गगनयान जैसे कार्यक्रमों ने भारत के विकास पथ के केंद्र में विज्ञान और नवाचार को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों में मुख्यधारा मीडिया की बढ़ती उपस्थिति स्वयं वैज्ञानिक विकास में बढ़ती जनता की रूचि को दशार्ती है।

सम्पादकीय

दीर्घकालिक भविष्य निर्माण में गति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस की यात्रा पर हैं जहां उन्होंने रविवार को 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने उच्च तकनीक, रक्षा और नवाचार जैसे कई अहम क्षेत्रों में अपने सरकार द्वारा किए गए सुधारों का उल्लेख किया और बल देकर कहा कि भारत की सुधार एक्सप्रेस रुकेगी नहीं बल्कि चलती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत एक दीर्घकालिक भविष्य के लिए कर रहा है और यह नवाचार दुनिया के लिए कर रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री का यह कहना कि इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के शीर्ष नवाचार स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड को साथ लाना है।

दरअसल भारत के मित्र राष्ट्रों में रूस तो सबसे आगे है ही किन्तु नाटो संगठन का सदस्य होते हुए भी फ्रांस ने जिस तरह मित्रता निभाया है, वह भी कम उल्लेखनीय नहीं है। रूस तो भारत के साथ सापेक्षता के संदर्भ में रहा है क्योंकि अमेरिका ने पाकिस्तान को समर्थन दिया तो भारत के लिए आवश्यक हो गया कि वह रूस के साथ रक्षा समझौते करे और उससे युद्धक सैन्य सामग्री खरीदे लेकिन फ्रांस ने भारत के साथ शुरू से ही सहयोग किया है। 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के पहले जहां अमेरिका कूटनीतिक एवं सामरिक देकर पाकिस्तान को पीड़ित साबित करके समूचे यूरोप में भारत के खिलाफ माहौल बना रहा था, उस समय भी फ्रांस ने भारत को आश्वासन दिया था कि वह किसी भी हालत में भारत के खिलाफ न तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में खड़ा होगा और किसी भी हालत में भारत के खिलाफ सैन्य मदद भी पाकिस्तान को नहीं करेगा। फ्रांस ने अपना वादा निभाया और उसने पाकिस्तान के पक्ष में अमेरिका द्वारा लाए गए सुरक्षा परिषद के किसी प्रस्ताव का समर्थन किया ही नहीं। फिर 1980 में जब अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 दिया तो भारतीय वायु सेना और सरकार ने फ्रांस से मिराज-2000 खरीदने का फैसला किया। फ्रांस ने तत्काल भारत को मिराज-2000 युद्धक विमान उपलब्ध कराने की सहमति व्यक्त की। जिस वक्त फ्रांस ने भारत के साथ खड़ा होने का फैसला लिया था, वह शीत युद्ध काल था। यूरोप के ज्यादातर देश अमेरिका के साथ खड़े थे और तत्कालीन सोवियत संघ को अपना घोषित शत्रु मानते थे। भारत अपनी रणनीतिक विवशताओं के कारण सोवियत संघ के साथ था इसलिए अमेरिका के साथी देश भारत के पक्ष में दिखने से डरते थे। लेकिन फ्रांस ने भारत के साथ हमेशा मैत्री संबंधों को महत्व दिया और मित्र धर्म के मार्ग पर अडिग रहा। आज फ्रांस पहले से ज्यादा भारत के साथ सहयोग कर रहा है। भारत में जो भी रक्षा उपकरण या युद्धक विमान बनाने का समझौता कर रहा है, उसको भारत के शत्रु देश को नहीं दे रहा है।

एक सच्चे मित्र की यही पहचान होती है। इस कसौटी पर रूस पहले ही खरा उतर चुका है। रूस चीन और पाकिस्तान को वह विमान या युद्धक उपकरण देता ही नहीं जिससे भारत को चुनौती मिलने की आशंका हो।

यही काम अब फ्रांस ने शुरू कर दिया। इसलिए क्योंकि फ्रांस की मैत्री भारत के साथ मजबूत विश्वसनीयता की नींव पर खड़ी है।

भारत ने अमेरिका से व्यापारिक संबंधों में चुनौती मिलने के बाद यूरोपियन यूनियन और कई यूरोपीय देशों से द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों की नई शुरूआत की। इनमें मुक्त व्यापार समझौता यानि एफटीए प्रमुखता से शामिल है। प्रधानमंत्री ने इसीलिए फ्रांस के साथ दुनिया के दूसरे देशों के साथ नवाचार स्टार्टअप की बात की।

बहरहाल भारत ने अब अपने विकास के सारे विकल्पों एवं संभावनाओं को इतना विस्तारित कर लिया है कि अब किसी भी हालत में सुधार प्रक्रिया को स्थगित करना संभव नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि खुले बाजार और आर्थिक सुधार की प्रक्रिया को वैश्विक मानदण्डों के अनुरूप तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास मोदी सरकार जारी रखेगी। जरूरत इस बात की है कि इसकी गति ऐसी न हो कि उपभोक्ता किसी भी दृष्टि से असुविधा महसूस न करें। सुधार हो किन्तु उसके केन्द्र में उपभोक्ता का हित अनिवार्य हो। विकास हो किन्तु उपभोक्ता केन्द्रित हो।

मोबाइल स्क्रीन ने हमारे बीच दूरियां बढ़ा दी- कुंवर मानवेंद्र सिंह

इतिहासकारों ने क्षत्रियों के साथ बहुत अन्याय किया - जेपीएस राठौर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति के तत्वाधान में गोमती नगर स्थित एसकेडी अकादमी के सभागार में "हल्दीघाटी दिवेरघाटी, विजयोत्सव सामाजिक सरोकार एवं सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सभापति विधान परिषद उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेंद्र सिंह एवं राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार जेपीएस राठौर ने विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करने वाले प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र का सम्मान बढ़ाने वाले क्षत्रिय परिवार के 36 विभूतियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही इंटरमीडिएट व हाई स्कूल की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले 112 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए सभापति विधान परिषद उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि समाज तब तक विजयी या सशक्त नहीं हो सकता, जब तक समाज का हर वर्ग एक-दूसरे का हाथ थामकर खड़ा न हो। आज के इस आधुनिक और तकनीकी युग में जहाँ मोबाइल स्क्रीन ने हमारे बीच दूरियां बढ़ा दी हैं, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। शिक्षा का उजियारा फैलाना, समाज के वंचितों की मदद करना, पर्यावरण की रक्षा करना और युवाओं को सही मार्गदर्शन देना ही आज के समय की सच्ची राष्ट्र सेवा है।"

उन्होंने कहा कि आज इस मंच से जिन महानुभावों को समाज सेवा और उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है, मैं उन सभी विभूतियों को हृदय से बधाई देता हूँ। आपका यह सम्मान केवल आपका आदर नहीं है, बल्कि हमारी नई पीढ़ी के लिए एक प्रकाश स्तंभ (लाइट हाउस) है, जो उन्हें समाज के कल्याण मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा।

सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति को इस बात के लिए साधुवाद देता हूँ कि उन्होंने इतिहास के गौरव, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की सकारात्मक दिशा को एक मंच पर ला खड़ा किया है। समारोह को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि क्षत्रिय सर्व समाज के लिये काम करता आया है लेकिन फिल्मों ने क्षत्रिय समाज की छवि को लगातार खराब करने का काम किया है। मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमित के प्रदेश अध्यक्ष बाबा हरदेव सिंह जो बीड़ा उठाते हैं उसे पूरा करते हुए अंत तक ले आते हैं। इस मौके पर मंत्री जीपीएस राठौर ने भारतीय इतिहासकारों पर भी जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों ने क्षत्रियों के साथ बहुत अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि इतिहासकारो ने महाराणा प्रताप की जगह अकबर को महान बताया। महाराणा प्रताप ने भीलो और वंचित समाज को लेकर युद्ध किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ही थे जो सर्व समाज को लेकर चलते थे। इस मौके पर मौजूद पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से हमें धर्म और कर्तव्य का बोध होता है। समझ में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष बाल अधिकार संरक्षण आयोग जूही सिंह ने कहा कि आज का छात्र कल का भविष्य है, उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक जुट होकर राष्ट्र को मजबूत करना है। इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए इंडोआमेरिकन चैम्बर के यूपी अध्यक्ष मुकेश सिंह ने कहा की क्षत्रिय समाज के बच्चे इंजीनियरिंग मैनेजमेंट या और कोर्स करने प्राइवेट इंडस्ट्री में अपना भविष्य देखते है या स्टार्ट अप लघु उद्योग स्थापित करना चाहते है इंडस्ट्री चैंबर्स से जुड़े होने के उन्हें यथा सहायता की जाएगी ।

समारोह को महासमिति के अध्यक्ष, बाबा हरदेव सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज को विषम परिस्थितियों से उबारने के लिए बहुत बड़े प्रयास की जरुरत है। ऐसी दशा में इस संगठन की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं में आगे बढ़ने की इच्छा जाग्रत करे और उन्हें हर स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास करे।

महासमिति की महासचिव, इन्द्रासन सिंह 'इन्दु' ने महासमिति की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि महासमिति स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण करके 18वें वर्ष में प्रवेश कर रही है सभी का समर्पित प्रयास और समर्थन मिलता रहा तो यह महासमिति अपनी 25वीं वर्षगांठ तक विशाल वटवृक्ष का रूप ले लेगी और इसके छांव के नीचे अपनी समस्याओं का समाधान कर समाज को नई दिशा देने में सक्षम होंगे। महासमिति अनवरत समाज के हर वर्ग के जरूरतमन्द लोगों और बेरोजगार युवक युवतियों को उचित मार्ग दर्शन देकर उन्हें आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

समारोह में 500 से अधिक सेवारत एवं सेवा निवृत्त लोक सेवक एवं उनके परिवारीजन उपस्थित रहे। प्रमुख पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण सर्व श्री श्री प्रकाश सिंह धनन्जय सिंह, कोषाध्यक्ष, के. के. सिंह, डा.डी..पी. सिंह, कुँवर प्रदीप सिंह, अजय कुमार गौतम, नायक सिंह, शिवशरन सिंह, डा.देव राज सिंह, डा. अनुपमा सिंह, डा० उर्मिला सिंह, डा. दिव्या सिंह, इ.जी.एन.सिंह, इ. एस.आर. सिंह परिहार, इं.एस.एन.सिंह, श्रीमती रीता सिंह, सिखा सिंह, अनीता सिंह, डा.श्री मुसाफिर सिंह, श्रीमती माधुरी सिंह आराधना सिंह, बन्दना सिंह रमेन्द सिंह विसेन, विजय कुमार सिंह जतेन्द्र सिंह नेगी, अजीत कुमार सिंह, नगेन्द्र सिंह, हरमनाम सिंह, इं. गोविन्द नारायण सिंह जयकरन सिंह आर.पी.सिंह, सिद्धार्थ सिंह अमित सिंह, अध्यक्ष, फिरोजाबाद, राम नायक सिंह अनिल कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, सुनील सिंह,

विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आयुष मंत्रालय ने यूट्यूब पर सीधे योग प्रसारण के सबसे अधिक दर्शकों का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले वैश्विक ऑनलाइन योग कार्यक्रम में 435,831 सत्यापित दर्शक शामिल हुए

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए आज यूट्यूब पर सीधे योग प्रसारण के सबसे अधिक दर्शकों का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 4,35,831 दर्शक आयुष मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधे प्रसारण किए गए एक विशेष वैश्विक ऑनलाइन योग सत्र में शामिल हुए।

यह रिकॉर्ड बनाने का प्रयास अंतर्राष्ट्रीय योग वर्ष 2026 के लिए मंत्रालय के प्रचार कार्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित किया गया था और इसमें भारत और विश्व भर के योग अभ्यासकर्ताओं, छात्रों, संस्थानों, पेशेवरों और स्वास्थ्य के प्रति उत्साही लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) और योग 365 अभियान के माध्यम से योग को दैनिक अभ्यास के रूप में बढ़ावा देने के मंत्रालय के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया।

आयुष मंत्रालय ने 4,35,831 सत्यापित दर्शक दर्ज किए, जो 2024 में स्थापित 2,46,252 दर्शकों के पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से अधिक है। इस नए रिकॉर्ड में पिछले रिकॉर्ड की तुलना में 1,89,579 दर्शक अधिक थे। इस प्रकार इसने यूट्यूब सीधे योग

प्रसारण के सबसे अधिक दर्शकों का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इस ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान देने वाले विश्वभर के नागरिकों को बधाई दी और कहा, "आज की यह उपलब्धि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति साझा प्रतिबद्धता के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और देशों के लोगों को जोड़ने की योग की असाधारण शक्ति को दर्शाती है। यह नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड जीवन शैली के रूप में योग की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति को दर्शाता है और योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को मजबूत करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले मैं सभी से 'योग 365' की भावना को अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक लचीले समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह करता हूं।"

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी हितधारकों और प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा, "यह उपलब्धि केवल एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है; यह उस संदेश के बारे में है जो हम विश्व को दे रहे हैं। भारी संख्या में भागीदारी स्वास्थ्य और कल्याण के एक शक्तिशाली साधन के रूप में योग की बढ़ती मान्यता को दर्शाती है। हमारा उद्देश्य लोगों को योग को एक दिवसीय आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर के अभ्यास के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और 'योग 365' को साकार करना है।"

इस कार्यक्रम के दौरान ओडिशा के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग; केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित माननीय मंत्रियों के विशेष संदेश प्रसारित किए गए। उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई देते हुए निवारक स्वास्थ्य देखभाल और समग्र कल्याण के साधन के रूप में योग के महत्व पर जोर दिया और नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करके 365 योग की भावना को अपनाने का आह्वान किया।

यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय द्वारा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और अन्य सहयोगी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया था। भारत और विश्व भर से प्रतिभागियों ने आयुष मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधे सत्र में भाग लिया और हैबिल्ड टीम द्वारा पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदान किए गए विशेषज्ञ मार्गदर्शन में सामूहिक रूप से कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का अभ्यास किया।

यह उपलब्धि ऐसे समय में प्राप्त हुई है जब भारत " स्वस्थ आयु के लिए योग" विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 मनाने की तैयारी कर रहा है। यह विषय स्वस्थ दीर्घायु को बढ़ावा देने, जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और सभी आयु वर्ग के लोगों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण में योग की भूमिका को दर्शाता है।

श्री जीतन राम मांझी और सम्राट चौधरी संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी केंद्र, खिजरसराय, गया की नींव रखेंगे

(जीएनएस)।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी और बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी 15 जून, 2026 को बिहार के गया जिले के खिजरसराय में बनने वाले प्रौद्योगिकी केंद्र की नींव रखेंगे। इस समारोह का शुभारंभ पारंपरिक भूमि पूजन से होगा। इस समारोह में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

प्रौद्योगिकी केंद्रः आत्मनिर्भर भारत के स्तंभ

एमएसएमई मंत्रालय अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने और एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए देश भर में प्रौद्योगिकी केंद्रों और विस्तार केंद्रों का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का संचालन कर रहा है। वर्षों से, इन केंद्रों ने स्वदेशी क्षमताओं के विकास और आत्मनिर्भर भारत पहल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये केंद्र एमएसएमई को बढ़ावा देने के अलावा भारत सरकार के आत्मनिर्भर, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण तंत्र के दृष्टिकोण के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता और सतत औद्योगिक विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को आगे बढ़ाते हैं।

गया प्रौद्योगिकी केंद्र की प्रमुख विशेषताएं

गया के खिजरसराय में 170

करोड़ रुपये की कुल लागत से प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापना की जाएगी। इस लागत में सिविल निर्माण कार्यों के लिए लगभग 86 करोड़ रुपये और संयंत्र और मशीनरी के लिए 84 करोड़ रुपये शामिल हैं।

यह केंद्र राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई 20 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। इसका निर्मित क्षेत्र लगभग 16,800 वर्ग मीटर होगा और इसमें एक उत्पादन ब्लॉक, प्रशिक्षण ब्लॉक, यूटिलिटी ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, बहुउद्देशीय हॉल, छात्रावास और स्टाफ के लिए आवास होंगे।

यह केंद्र सामान्य अभियांत्रिकी, भारी अभियांत्रिकी और वस्त्र परीक्षण के प्रमुख क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगा ताकि इस क्षेत्र में एमएसएमई/उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

यह केंद्र गयाजी, औरंगाबाद, नवादा, नालंदा, जहानाबाद और मुंगेर जिलों में एमएसएमई के लिए कार्य करेगा, उन्हें उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों, उद्योग के लिए तैयार कार्यबल और आवश्यक तकनीकी और व्यावसायिक सलाहकार सेवाएं प्रदान करेगा ताकि वे विस्तार, नवाचार और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सके ।

उत्पादनः मोल्ड, डाई, जिग्स और फिक्स्चर के लिए टूल रूम सुविधाएं; सीएनसी मशीनिंग सेवाएं; कैड/कैम/सीएई सुविधाएं; रैपिड प्रोटोटाइपिंग; इंडस्ट्री 4.0 लैब; और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां/समाधान।

ओरी ने ध्रुव राठी को कहा 'एंटी नेशनल', बोले- मेरी फोटो फालतू में लगाई, बताया पीएम मोदी के साथ क्या है सपना!

(जीएनएस)।

इंटरनेट पर बेहद फेमस ओरी ने हाल ही में ध्रुव राठी को लेकर बात की है और उन्हें देश विरोधी कहा है। ओरी ने इसके पीछे का कारण भी बताया। साथ ही, उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनका क्या सपना है।

सोशल मीडिया पर्सनैलिटी ओरी ने एक बार फिर यूट्यूबर ध्रुव राठी की आलोचना की है। इस बार उन्होंने ध्रुव राठी को देश-विरोधी कहा और बोले, 'मुझे यह आदमी बिल्कुल पसंद नहीं है।' एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए, ओरी ने ध्रुव राठी के विषयों के चुनाव पर सवाल उठाए और कहा कि वह मुद्दों को तभी उठाते हैं जब वे उनके नैरेटिव (सोच) के हिसाब से हों। साथ ही, ओरी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी एक ख्वाहिश भी बताई।

ये कमेंट्स दोनों के बीच पहले हुई सार्वजनिक बहस का ही एक हिस्सा हैं। इससे पहले, दिसंबर 2025 में ध्रुव राठी के वीडियो 'द फेक ब्यूटी ऑफ बॉलीवुड सेलिब्रिटीज' के बाद ओरी ने अपनी दोस्त जाह्नवी कपूर का बचाव किया था। उस वीडियो में कई एक्टर्स का जिक्र था और थंबनेल में जाह्नवी की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था।

ओरी को बिल्कुल पसंद नहीं ध्रुव राठी

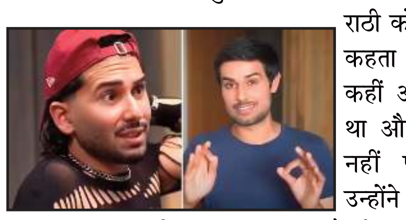

'KK Creates' पॉडकास्ट के दौरान, ओरी ने कहा कि ध्रुव उन्हीं विषयों पर अपनी सुविधा के हिसाब से बात करते हैं जो उनकी कहानी या नैरेटिव में फिट बैठते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि वह अपनी सुविधा के अनुसार ही विषयों पर बात करते हैं, जब वे उनकी कहानी में फिट बैठते हैं। मुझे ठीक से नहीं पता कि उनके विषय क्या हैं क्योंकि मैं हर चीज को फॉलो नहीं करता, लेकिन वह कभी-कभी अजीब बातें कहते हैं जिनका कोई मतलब नहीं होता, और जब उन्हें किसी विषय पर बात करनी चाहिए, तो वह उस पर बात ही नहीं करते। मुझे बस वह आदमी पसंद नहीं है।'

ओरी ने ध्रुव राठी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अपने निकनेम का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'मैं ध्रुव राठी को 'ध्रुव ट***' कहता हूं। मैंने यह कहीं ऑनलाइन देखा था और मैं इसे छोड़ नहीं पा रहा हूं।' उन्होंने आगे कहा कि उनका सपना है पीएम मोदी के साथ अपने फेमस पोज में फोटो क्लिक करना। वो इसे कभी तो करेंगे।

ध्रुव राठी ने बॉलीवुड सेलेब्स को घेरा

इससे पहले, ध्रुव राठी द्वारा दिसंबर 2025 में 'बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की नकली सुंदरता' टाइटल से एक वीडियो जारी किए जाने के बाद, ओरी ने जाह्नवी कपूर का सपोर्ट किया था।

जान्हवी कपूर से लेकर काजोल पर भी सवाल

इस वीडियो में कई ऐसी एक्ट्रेसेस के बारे में बात की गई, जिन्होंने कथित तौर पर कॉस्मेटिक सर्जरी या ट्रीटमेंट करवाए थे। इनमें जाह्नवी कपूर, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और काजोल के नाम शामिल थे। थंबनेल में जाह्नवी की तस्वीर का भी इस्तेमाल किया गया था, जिसने लोगों का ध्यान खींचा।

उस समय, ओरी ने इंस्टाग्राम पर इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। एक वायरल रील में दावा किया गया था कि ध्रुव राठी ने यह वीडियो तब अपलोड किया, जब जाह्नवी ने बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास मामले पर बात की थी। रील में कहा गया था कि वीडियो अपलोड करने का समय सही नहीं था।

ओरी ने ध्रुव को कहा था 'राष्ट्र-विरोधी'

इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए ओरी ने लिखा, 'शायद वह यह भी नहीं जानतीं कि वह कौन है। मैं खुद उसे बस एक ऐसे 'राष्ट्र-विरोधी' के तौर पर जानता हूं जो शिकायत करता है कि इतने फॉलोअर्स होने के बावजूद रेलवे स्टेशन पर उसकी तस्वीरें नहीं खींची गई।'

वॉलीबॉल में कमिश्नरेट लखनऊ की टीम रही प्रथम, शील्ड पर जमाया कब्जा

(जीएनएस)।

सुल्तानपुर। पुलिस लाइन में तीन दिवसीय 27वीं अंतर जिलास्तरीय लखनऊ जोन वॉलीबॉल और सेपक टकरा प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। आयोजन सचिव पुलिस अधीक्षक चारू निगम की अगुआई में तीन दिवसीय जोनल खेलकूद प्रतियोगिता की मेजबानी सुल्तानपुर पुलिस ने की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला जज सुनील कुमार रहे।

प्रतियोगिता में लखनऊ जोन की कुल नौ टीमों के कुल 115 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के वॉलीबॉल टीम में कमिश्नरेट लखनऊ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड अपने नाम की। लखीमपुर खीरी की टीम द्वितीय स्थान प्राप्त कर उप विजेता बनीं। अयोध्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सेपक टकरा प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में कमिश्नरेट लखनऊ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड अपने नाम कर लिया। सीतापुर की टीम द्वितीय स्थान प्राप्त कर उपविजेता रही। प्रतियोगिता में सुल्तानपुर की टीम तीसरे स्थान पर रही।

इसी प्रकार सेपक टकरा प्रतियोगिता के महिला वर्ग में कमिश्नरेट लखनऊ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड जीती। सुल्तानपुर द्वितीय स्थान प्राप्त कर उप विजेता रही तथा बाराबंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पूरे प्रतियोगिता में वॉलीबॉल में सर्वोत्तम खिलाड़ी आरक्षी शक्ति यादव कमिश्नरेट लखनऊ, तथा सेपक टकरा (पुरुष वर्ग) में मुख्य आरक्षी आदित्य नेगी कमिश्नरेट लखनऊ व सेपक टकरा (महिला वर्ग) में सर्वोत्तम खिलाड़ी मुख्य आरक्षी रिंकी पटेल कमिश्नरेट लखनऊ रहीं है। इसके पहले जिला जज का पुलिस अधीक्षक ने स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सीतापुर में प्रशासन ने खलिहान की जमीन पर बन रही मस्जिद गिरवाई, विवाह के चलते हुई कार्रवाई

थानगांव (सीतापुर)। कुर्मिनपुरवा में रविवार को बिसवां तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों से विवादित एवं अर्द्धनिर्मित मस्जिद के ढांचे को बुलडोजर से हटवा दिया। साथ ही मस्जिद से सटे चकमार्ग को भी अतिक्रमण मुक्त कराकर आम आवागमन के लिए खाली कराया गया।

रविवार को तहसीलदार बिसवां अनिल कुमार, लेखपाल अंकुर शेखर वर्मा, थानाध्यक्ष थानगांव विमल गौतम, थानाध्यक्ष रामपुर मथुरा श्यामू चौरसिया भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और अर्द्धनिर्मित मस्जिद को बुलडोजर से दिया गया।

यह भी पढ़ें- बागपत में इकोनॉमिक कॉरिडोर पर टोल प्लाजा के इंचार्ज ने दी वाहन टक्कर की धमकी, इंचार्ज समेत दो कर्मचारी गिरफ्तार

साथ ही उससे सटे चकमार्ग को भी खाली कराकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। बताया जाता है कि आसपास तालाब और खलिहान की लगभग 25 बीघा सरकारी भूमि भी दर्ज है।

राम मंदिर के दान में घोटाले का मामला गरमाया, अयोध्या पुलिस ने पूर्व कर्मचारी के घर से बरामद किए 12 लाख रुपये

(जीएनएस)।

अयोध्याः राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन के आरोप में रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में छापेमारी कर 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए। कार्रवाई राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। बरामदगी आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से हुई, जो मंदिर में कर्मी के रूप में कार्यरत रहा है।

लवकुश के पिता बच्चूलाल ने बताया कि ट्रस्ट के तीन-चार लोग उनके घर पहुंचे और ताला तोड़कर नकदी अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस धन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि वे गाजियाबाद में रह रहे थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फैजाबाद में बन रहे मकान का उनके बेटे से कोई संबंध नहीं है। मकान निर्माण के लिए उन्होंने 10-12 बीघा खेत गिरवी रखा है।

मंदिर में नौकरी के बाद बदली स्थिति

ग्रामीणों के अनुसार, लवकुश पहले कार मिस्त्री था और मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति तेजी से बदली थी। वहीं गांव में यह भी चर्चा है कि कुछ रुपये घूर में छिपाकर रखे गए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद किया है।

पिता बोले- अपना खेत गिरवी रखकर बनवा रहा हूं मकान

आरोपी युवक लवकुश मिश्रा (27 वर्ष) राम मंदिर में कर्मी के तौर पर कार्यरत रहा। उस पर दानपात्र के चढ़ावे के पैसे का गबन करने का आरोप है। पिता बच्चूलाल ने बताया कि मेरा लड़का पिछले 5-6 महीने से राम मंदिर में काम कर रहा था। उसे वहां रवि मिश्रा ने काम पर लगवाया था। रवि मिश्रा हमारे समधी हैं। फैजाबाद में जिस मकान का निर्माण हो रहा है, उसके लिए हमने बहुत पहले जमीन खरीद ली थी। उस जमीन और मकान से मेरे लड़के का कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब 10-12 बीघा खेत गिरवी रखकर मकान बनवा रहा हूं। मेरा लड़का जो पैसा राम मंदिर से लेकर आया था, उसे जो लोग यहां आए थे, वे अपने साथ लेकर चले गए। अब उससे हमारा कोई मतलब नहीं है।

दान प्रकरण पर चुप रहे नृपेंद्र मिश्र, बोले- मैं केवल निर्माण कार्य देखता हूं

राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन प्रकरण की जांच के बीच शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे। उनके दौरे पर सबकी निगाहें दान विवाद को लेकर संभावित प्रतिक्रिया पर टिकी थीं, लेकिन उन्होंने इस पूरे मामले पर टिप्पणी करने से साफ इन्कार कर दिया।

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में जब उनसे दान गड़बड़ी प्रकरण को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, मैं केवल निर्माण कार्य देखता हूं और कुछ नहीं। इसके बाद उन्होंने दान प्रकरण से जुड़े किसी भी अन्य सवाल का जवाब नहीं दिया। नृपेंद्र मिश्र का यह बयान ऐसे समय आया है, जब राम मंदिर में दान राशि के गबन को लेकर ट्रस्ट और पुलिस स्तर पर जांच चल रही है तथा मामले में कई कर्मचारियों से पूछताछ और कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

सुबह पति की अर्थी उठी, शाम को पत्नी की... अयोध्या में एक ही दिन उजड़ गया जीवनसाथियों का साथ

अयोध्या के एक गांव में पति-पत्नी के अटूट रिश्ते की भावुक कर देने वाली कहानी सामने आई है. 80 वर्षीय भगवान तिवारी के निधन के कुछ घंटों बाद उनकी 75 वर्षीय पत्नी साची तिवारी ने भी दम तोड़ दिया. सुबह जिस घर से पति की अंतिम यात्रा निकली थी, उसी घर से शाम को पत्नी की भी अर्थी उठी, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई.

उत्तर प्रदेश के अयोध्या से पति-पत्नी के अटूट प्रेम और साथ की एक भावुक कर देने वाली कहानी सामने आई है. यहां एक बुजुर्ग महिला ने अपने पति के अंतिम संस्कार के कुछ ही घंटों बाद दम तोड़ दिया. इस घटना ने पूरे गांव को भावुक कर दिया और हर किसी की आंखें नम हो गईं.

दरअसल, मामला अयोध्या जिले के खंडासा थाना क्षेत्र के रेवली गांव का है. गांव के रहने वाले 80 वर्षीय भगवान तिवारी का रविवार तड़के उम्र संबंधी बीमारियों के चलते निधन हो गया. परिवार और ग्रामीणों के मुताबिक वह लंबे समय से बढ़ती उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे.

भगवान तिवारी के निधन की खबर मिलते ही परिवार और गांव में शोक का माहौल छा गया. सुबह से ही उनके घर पर रिश्तेदारों, ग्रामीणों और परिचितों का आना-जाना शुरू हो गया था.

सुबह हुई अंतिम विदाई

परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में भगवान तिवारी का अंतिम संस्कार रविवार सुबह करीब 11 बजे किया गया. बड़ी संख्या में लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि दी.

गांव वालों के अनुसार, अंतिम संस्कार के दौरान उनकी पत्नी साची तिवारी बेहद गमगीन थीं. पति के निधन से वह गहरे सदमे में थीं और लगातार भावुक हो रही थीं.

किसी ने भी नहीं सोचा था कि कुछ ही घंटों के भीतर परिवार को एक और बड़ा दुख झेलना पड़ेगा. अंतिम संस्कार के बाद घर लौटे परिजन अभी पहले सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि दूसरी दुखद खबर सामने आ गई.

पति की मौत के कुछ घंटे बाद पत्नी ने भी तोड़ा दम

ग्रामीणों के अनुसार, पति के अंतिम संस्कार के बाद 75 वर्षीय साची तिवारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई. परिवार के लोग उनकी देखभाल में जुटे, लेकिन उनकी हालत लगातार खराब होती चली गई.

कुछ ही समय बाद साची तिवारी ने भी दम तोड़ दिया. उनके निधन की खबर सुनते ही पूरे गांव में शोक की दूसरी लहर दौड़ गई. परिवार के सदस्य इस दोहरे दुख से पूरी तरह टूट गए.

ग्रामीणों का कहना है कि सुबह जिस घर से भगवान तिवारी की अंतिम यात्रा निकली थी, उसी घर से कुछ घंटों बाद उनकी पत्नी की भी अर्थी उठी. यह दृश्य देखकर गांव के लोग भावुक हो उठे.

दशकों तक निभाया जीवन का साथ

गांव के बुजुर्गों और पड़ोसियों ने बताया कि भगवान तिवारी और साची तिवारी ने दशकों तक साथ जीवन बिताया था. दोनों ने सुख-दुख, संघर्ष और खुशियों के हर पड़ाव को एक-दूसरे के साथ साझा किया था. ग्रामीणों के मुताबिक बढ़ती उम्र के बावजूद दोनों एक-दूसरे का सहारा बने हुए थे. गांव में लोग अक्सर उनके आपसी प्रेम और लगाव की मिसाल दिया करते थे.

लोगों का कहना है कि दोनों इतने गहरे भावनात्मक रूप से जुड़े हुए थे कि पति के जाने का सदमा साची तिवारी बर्दाश्त नहीं कर सकीं. यही वजह रही कि उन्होंने भी कुछ घंटों बाद दुनिया को अलविदा कह दिया.

गांव में पसरा मातम

एक ही दिन में पति-पत्नी के निधन से पूरे रेवली गांव में मातम का माहौल है. परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं और गांव के लोग उन्हें ढांढस बंधाने में जुटे हुए हैं.

ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटनाएं बहुत कम देखने को मिलती हैं. यह घटना पति-पत्नी के बीच गहरे प्रेम, समर्पण और जीवनभर के साथ की अनूठी मिसाल बन गई है.

फिलहाल पूरे गांव में इस बुजुर्ग दंपति की चर्चा हो रही है और लोग उनकी यादों को भावुक होकर साझा कर रहे हैं.

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद पर भाजपा नेता विनय कटियार का बड़ा बयान, बोले- 'दोषी हैं तो इनकी...'

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर दान राशि कथित गबन मामले को लेकर अब बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने मामले को बेहद गंभीर बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. कटियार ने कहा कि यह कोई हल्का-फुल्का मामला नहीं है और राम मंदिर आंदोलन के लिए लोगों ने बलिदान दिया है.

राम मंदिर दान राशि कथित गबन मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार ने कहा, "अगर किसी ने इस मामले में गड़बड़ी की है तो उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए. ये जितने भी हैं, सब चोर हैं, इनकी छुट्टी करो."

राम मंदिर आंदोलन से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई- कटियार

विनय कटियार ने आगे कहा कि राम मंदिर आंदोलन से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है और इस आंदोलन के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया है. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने भी राम मंदिर के मुद्दे पर अपने पद से इस्तीफा दिया था. ऐसे में इस तरह के आरोप बेहद गंभीर हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए.

दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो- विनय कटियार

इसके साथ ही उन्होंने गोपाल जी का नाम लेते हुए कहा कि पता नहीं इसको किसने भेजा है. पता नहीं कहां से आया. ऐसे जितने भी है वो सब यहां से भागेंगे. कल से लेकर परसों तक सब या तो भाग जाएंगे या जेल के अंदर जाएंगे. उन्होंने साफ तौर से कहा कि दोषी कोई भी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए.

विनय कटियार ने अखिलेश यादव के बयान पर किया था पलटवार

इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे से करोड़ों रुपए गायब होने का गंभीर आरोप लगाया था. इस पर बीजेपी के नेता और पूर्व सांसद विनय कटियार ने अखिलेश के आरोपों को खारिज किया था और उन पर हमला बोला था. कटियार ने कहा था कि अखिलेश यादव कभी-कभी समझदारी से बाहर हो जाते हैं और बिना पर्याप्त तथ्यों के बयान दे देते हैं. बिना किसी ठोस प्रमाण के भ्रष्टाचार या धन के दुरुपयोग के आरोप लगाना उचित नहीं है.

चीज कोई नहीं दूसरी चाहिए, बात जिसकी हुई थी वही चाहिए...

(जीएनएस)।

लखनऊ। पुरनिया चौराहा स्थित एक रेस्टोरेंट में रविवार को साहित्यिक संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने की। कवयित्री दिव्या शुक्ला ने मां सरस्वती की वंदना की। वरिष्ठ साहित्यकार कमल किशोर ने "आज के हालात पत्थर हो गए" कविता सुनाकर वाहवाही बटोरी। लोकेश त्रिपाठी ने चीज कोई नहीं दूसरी चाहिए, बात जिसकी हुई थी वही चाहिए कविता पढ़ी। हास्य कवि अंकुर पाठक ने अपनी रचनाओं से लोगों को हंसने पर मजबूर किया। योगेंद्र योगी, डॉ. सुधा मिश्रा, डॉ. सर्वेश त्रिपाठी, डॉ. मानसी द्विवेदी, आदर्श सिंह निखिल, सुशांत प्रमोद, पीयूष अग्निहोत्री आदि ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भाव-विभोर किया। कार्यक्रम का संचालन रवींद्र अजनबी ने किया। कवि सम्मेलन का आयोजन कुलदीप कलश और संयोजन अंकुर पाठक ने किया। इस दौरान वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मोहमद अली शाहिल, प्रो. चंद्र शेखर वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

यूपीः लखनऊ से नोएडा जाने वालों के लिए खुशखबरी, एक जुलाई से नियमित रूप से होंगी दो उड़ान; जानिए किराया

(जीएनएस)।

लखनऊ से नोएडा जाने वाले यात्रियों के लिए 15 जून को सीधी उड़ान सेवा का उद्घाटन होना है। यह सेवा पहली जुलाई से यात्रियों को नियमित रूप से मिलेगी। खास यह है कि इंडिगो नोएडा के लिए दो सीधी उड़ानें शुरू करेगा। इसमें एक सुबह व दूसरी रात में संचालित होगी। उड़ान करीब एक घंटे में यात्रा पूरी करेगी।

सोमवार को लखनऊ से नोएडा के लिए इंडिगो एयरलाइंस की विशेष विमान सेवा 6ई-2278 सुबह 7:05 बजे उड़ान भरकर सुबह 8:05 बजे नोएडा के जेवर एयरपोर्ट पहुंचेगी। वापसी में उड़ान संख्या 6ई-2279 जेवर एयरपोर्ट से शाम 6:55 बजे रवाना होगी और रात आठ बजे लखनऊ पहुंचेगी।

यह है नियमित उड़ानों का शेड्यूल

नोएडा से लखनऊ के लिए 6ई-7624 सुबह 5:50 बजे उड़ान भरकर सुबह सात बजे पहुंचेगी। वापसी में 6ई-7625 लखनऊ से सुबह 7:25 बजे उड़ान भरकर सवा घंटे बाद सुबह 8:40 बजे नोएडा पहुंच जाएगी। इसी क्रम में नोएडा से 6ई-7628 दोपहर 3:05 बजे उड़ान भरकर शाम सवा चार बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसके बाद लखनऊ से 6ई-7629 रात 9:40 बजे उड़ान भरकर एक घंटे दस मिनट बाद रात 10:50 बजे नोएडा पहुंच जाएगी।

इतना चल रहा है किराया

नोएडा से लखनऊ के लिए सीधी उड़ान का किराया 3394 रुपये जबकि लखनऊ से नोएडा के लिए 4021 रुपये चल रहा है। लखनऊ से दिल्ली जाने वाले विमानों का किराया भी करीब इतना ही रहता है। ऐसे में यात्रियों को दिल्ली से नोएडा जाने की जहमत नहीं उठानी होगी।

बचेगा समय व खर्च

इंडिगो की यह विमान सेवा सातों दिन चलेगी। लखनऊ से नोएडा जाने वाले यात्रियों को अभी तक विमान से दिल्ली जाना पड़ता था। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्हें मेट्रो या निजी साधनों से नोएडा पहुंचना पड़ता था, जिसमें 250-300 रुपये तक खर्च हो जाते थे। समय भी ज्यादा लगता था। नोएडा के लिए सीधी उड़ान ये यात्रियों के समय और पैसों की बचत होगी।

लखनऊ के कैंट इलाके में ट्रेन पलटाने की रची गई साजिश, ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी गाड़ी

(जीएनएस)।

लखनऊ , राजधानी में एक बार फिर रेल यात्रियों की जान से खिलवाड़ करते हुए ट्रेन को डिरेल (पटरी से उतारने) करने की साजिश सामने आई है। इस बार कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास शुक्रवार दोपहर पंजाब मेल के आने से पहले रेलवे ट्रैक पर 50 किलो वजनी लोहे का चौखट रख दिया गया। लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद लोहे का चौखट इंजन में फंस गया।

इस मामले में कैंट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ के वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) राजकिशोर मिश्र के अनुसार, 13006 पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे ट्रेन जब कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास पहुंची, तभी लोको पायलट ने ट्रैक पर लोहे का बड़ा चौखट पड़ा देखा।

उन्होंने बिना देरी किए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद इंजन ट्रैक पर रखे 50 किलो वजनी लोहे के चौखट से टकरा गया और वह इंजन के नीचे फंस गया। लोको पायलट ने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी। रेलवे के अधिकारी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। चौखट को हटाकर आरपीएफ के सुपुर्द कर दिया।

इलाके के कैमरे खंगाल रही पुलिस

घटना के बाद राजकिशोर मिश्र की तहरीर पर कैंट थाने में रेलवे अधिनियम की धारा 151 (रेल संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने या नष्ट करने से संबंधित) और धारा 153 (रेल यात्रियों की सुरक्षा को जानबूझकर खतरे में डालने से संबंधित) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। एसओ कैंट गुरप्रीत कौर ने बताया कि पुलिस और सर्विलांस टीम घटनास्थल के आसपास जांच कर रही है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

खुफिया एजेंसियां भी की गईं अलर्ट

कैंट पुलिस रेलवे ट्रैक पर मिले 50 किलो वजनी लोहे के चौखट को नशेड़ियों की हरकत मान रही है। हालांकि, घटना की सूचना खुफिया एजेंसियों को भी दे दी गई है। मामले के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका को देखते हुए पुलिस और खुफिया विभाग की टीमें जांच में जुटी हैं।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

22 जून 2025 : मल्हौर स्टेशन के पास (पोल संख्या 1087/10-12) रेल ट्रैक के बीचों-बीच लोहे की होर्डिंग का एक बहुत बड़ा और भारी स्ट्रक्चर लाकर रख दिया गया था।

लखनऊ लूटकांड का खुलासाः CRPF दरोगा 20 दिन की छुट्टी लेकर फरार, चौकी इंचार्ज सस्पेंड

(जीएनएस)।

लखनऊ , चिनहट क्षेत्र में निवेश के नाम पर हुई लूट के मामले में फरार चल रहे सीआरपीएफ के दारोगा जय प्रकाश सिंह पर अन्य जगहों पर धोखाधड़ी समेत अन्य आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनकी जानकारी पुलिस जुटा रही है।

यही नहीं मामला तूल पकड़ने जय प्रकाश पर 20 दिन की छुट्टी लेकर फरार हो गया। दूसरी ओर मामले में लापरवाही और संदिग्ध भूमिका को लेकर कमता चौकी इंचार्ज मोहित कुमार को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लूटकांड का खुलासा होने के बाद चिनहट पुलिस ने जय प्रकाश सिंह का आपराधिक रिकार्ड खंगालना शुरू किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उसके खिलाफ फ्राड समेत अन्य मामलों के मुकदमे दर्ज हैं।

अब पुलिस संबंधित जिलों और थानों से पत्राचार कर मुकदमे का पूरा ब्योरा जुटा रही है, ताकि उसका विस्तृत आपराधिक इतिहास तैयार किया जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि 11 जून को मामला तूल पकड़ने के बाद जय प्रकाश सिंह 13 जून को अपने कैंप पहुंचा और वहां से 20 दिन की छुट्टी लेकर चला गया। फिलहाल वह कहां है, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि छुट्टी के दौरान उसने किन-किन स्थानों की यात्रा की और उसके विभाग ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की है या नहीं। इसके लिए संबंधित विभाग से संपर्क किया जा रहा है। उधर, मामले में कमता चौकी इंचार्ज मोहित कुमार के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने उच्चाधिकारियों को भेजी थी।

रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने रविवार देर शाम मोहित कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच एसीपी गोमतीनगर को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कई पुलिसकर्मियों से उधार ले चुका था पूरन सिंह

जांच के दौरान एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार सिपाही पूरन सिंह ने बड़ी संख्या में लोगों से उधार ले रखा था, जिनमें करीब 80 प्रतिशत पुलिसकर्मी शामिल बताए जा रहे हैं। किसी से उसने 50 हजार रुपये तो किसी से एक लाख रुपये तक उधार लिया था। बताया जा रहा है कि वह यह रकम कहीं निवेश करता था। कुछ लोगों ने उसके सट्टेबाजी में शामिल होने की भी चर्चा की है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

काल्पनिक नाम से शामिल हुआ था बर्खास्त पीएसी सिपाही

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि लूटकांड में पीएसी का एक बर्खास्त सिपाही भी शामिल था। उसकी तैनाती किस बटालियन में रही और किन कारणों से उसे सेवा से बर्खास्त किया गया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

पूछताछ में पूरन सिंह ने बताया कि उक्त व्यक्ति ने अपनी पहचान छिपाने के लिए 'विनय' नाम का इस्तेमाल किया था, ताकि पकड़े जाने पर उसकी असली पहचान सामने न आ सके। पुलिस अब उसकी वास्तविक पहचान और आपराधिक गतिविधियों का ब्योरा जुटाने में लगी है।

केजीएमयू में टंकी की सफाई के दौरान युवक की मौत, बिना सुरक्षा किट उतारा था टंकी में

(जीएनएस)।

लखनऊ के केजीएमयू में टंकी की सफाई करने उतरे युवक की करंट लगने से मौत हो गई। इस पर साथी कर्मचारियों व परिजनों ने जमकर हंगामा किया। केजीएमयू में सफाई कर्मचारी राहुल सफाई करने के लिए टंकी में उतरा था। इसी दौरान करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

साथी कर्मचारियों ने कहा कि उसे बिना सुरक्षा टंकी में सफाई के लिए उतार दिया गया था। घटना से आक्रोशित परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने किसी तरह कर्मचारियों को शांत करवाया।

बुखार पीड़ित युवक की मौत

(जीएनएस)।

सीतापुर मास्टरबाग। सीता रसोई निवासी तोसीब (17) को एक सप्ताह से बुखार आ रहा था। शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता निजामुद्दीन ने बताया कि तोसीब गांव में अरुण के यहां करीब आठ साल से कंपाउंडर का काम देख रहा था। वहीं पर बुखार आने पर दवाई खा लेता था। घर में किसी को इस बात की भनक तक नहीं थी। शुक्रवार को अचानक बुखार से काफी तबीयत बिगड़ी और लखनऊ ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया।

रंजिश में पीटा, एससी एसटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज

(जीएनएस)।

सीतापुर, अटरिया के अहेवा गांव निवासी मनीराम ने गांव के ही तीन लोगों पर रंजिश में पीटने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एससी एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

पीड़ित के अनुसार वह अनुसूचित जाति का है। बताया कि उनके घर के सामने वाले घर में रह रहे त्रिभुवन यादव की उनके परिवार वालो से पुरानी रंजिश रही है। इसी रंजिश को लेकर 8 जून को त्रिभुवन यादव, रघुराज यादव और सुशान्त यादव हंसिया व लाठी डंडा लेकर उनके दरवाजे पर आए और अपशब्द कहे। साथ ही जातिसूचक टिप्पणी की। विरोध पर सभी लोगों ने पीट दिया।

इसके बाद खड़ंजे पर पटक दिया। त्रिभुवन ने पीड़ित की जांघ पर हंसिया मार दी।

आरोप है कि जब उनकी पत्नी ने शोर मचाया तो उनके भी बाजू पर हंसिया मारकर घायल कर दिया।किसी तरीके से गांव के मयाराम रावत व उनकी पत्नी ने बीच बचाव करके उनकी व उनकी पत्नी रोहिनी की जान बचाई। जाते समय सभी लोगो ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस जांच कर रही है।

मोहर्रम के लिए लखनऊ में तैयार हो रही 3.10 लाख की जरीह

पहली मोहर्रम को निकलने वाले पहले शाही जुलूस में शामिल होने के लिए मोम व अभ्रक से बनने वाली जरीह का काम तेजी से चल रहा है। पहली मोहर्रम का जुलूस पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब (स.) के नवासे हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके साथियों की याद में निकाला जाता है।

(जीएनएस)।

लखनऊ, पहली मोहर्रम को निकलने वाले पहले शाही जुलूस में शामिल होने के लिए मोम व अभ्रक से बनने वाली जरीह का काम तेजी से चल रहा है। पहली मोहर्रम का जुलूस पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब (स.) के नवासे हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके साथियों की याद में निकाला जाता है। जरीह बनाने का काम तीन माह से छोटे इमामबाड़े में कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। इसपर करीब 3.10 लाख रुपए का खर्च आया है।

ऐतिहासिक शाही जरीह का जुलूस शाम पांच बजे बड़ा इमामबाड़ा से निकलकर छोटा इमामबाड़ा तक जाता है। जुलूस में मोम की जरीह मुख्य आकर्षण का केंद्र होती है। इस जरीह को जरवल के कारीगर वसीम अली के निर्देशन में साबिर, मीकाइल, इंसान अली, मो. शादाब, नसीम, मुश्ताक, सकीना और फिज्जा बना रहे हैं।

नसीम अली ने बताया कि यह काम उनके यहां पुरखों के समय से चला आ रहा है। इस काम में समय, मेहनत और संयम की जरूरत होती है। काम में पुरुष व महिलाएं दोनों लगी हुई हैं। यह मोम की जरीह डबल टेबल लगाकर वाइस फीट उंची और दस फीट चौड़ी है। इसमें एक कुंतल पैतालीस किलो मोम लगाया गया है। जरीह में करीब दस तरह के मोम के डिजाइन बनाकर लगाए जा रहे हैं। जिसमें माहली, स्टार, चांद, मिर्च पत्ती, तीन तरह के फूल और अन्य डिजाइन आदि शामिल है। हर साल मोम के दाम बढ़ने से काफी असर पड़ता है।

इसमें चार छोटे गुंबद, एक बड़ा गुंबद और दो छतरी बनाई जा रही हैं। मोम की आठ मिनार हैं, जिसमें हरे व लाल रंग के अलावा सफेद रंग का मोम लगाया जा रहा है। बड़े गुंबद पर दो फीट का ताज बन रहा है। ऊपर से गुलाब, कागज व शीशे का सेहरा भी लगेगा। शाही जुलूस में 17 फीट ऊंची और आठ फीट चौड़ी अभ्रक जरीह भी शामिल होगी।

लखनऊ से अब नोएडा की Flight पकड़िए, 1 घंटे में जेवर एयरपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊः यात्रियों के लिए खुशखबरी है. उत्तर प्रदेश के दो बड़े शहरों लखनऊ और नोएडा के बीच हवाई संपर्क को नई उड़ान मिल गई है. सोमवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से लखनऊ-नोएडा के बीच पहली सीधी फ्लाइट का सफल संचालन किया गया.इस खास मौके पर एयरपोर्ट परिसर में दीप प्रज्वलन और केक कटिंग समारोह आयोजित किया गया. वहीं पहली उड़ान में 182 यात्रियों ने सफर किया, जिनमें अभिनेत्री गुल पनाग भी शामिल रहीं.

एयरपोर्ट में समारोह का आयोजनः पहली उड़ान के शुभारंभ पर एयरपोर्ट परिसर को विशेष रूप से सजाया गया और एयरलाइन व एयरपोर्ट प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में दीप प्रज्वलन एवं केक कटिंग कर इस ऐतिहासिक पल का जश्न मनाया गया. पहली उड़ान संख्या 6ए 2278 से कुल 182 यात्रियों ने लखनऊ से नोएडा के लिए यात्रा की. खास बात यह रही कि अभिनेत्री गुल पनाग भी इसी उड़ान की साक्षी बनीं. इसके अलावा एक निजी समूह के करीब 80 कर्मचारियों ने भी इस नई सेवा का लाभ उठाया.

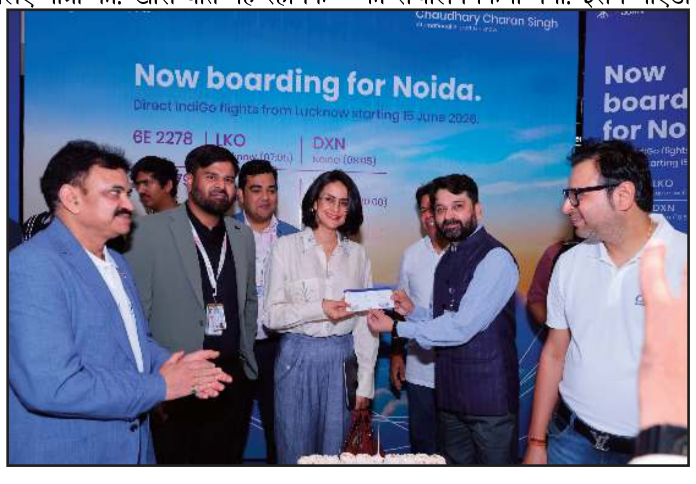

एक जुलाई से नियमित उड़ानः बता दें कि 15 जून को विशेष परिचालन के तहत अतिरिक्त उड़ानों का संचालन किया गया. इसमें नोएडा से लखनऊ और लखनऊ से नोएडा के बीच विशेष फ्लाइट्स चलाई गईं. एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक यह नई सेवा व्यापार, उद्योग, शिक्षा और कॉर्पोरेट सेक्टर से जुड़े यात्रियों के लिए बेहद सुविधाजनक साबित होगी. फिलहाल उद्घाटन के तहत विशेष उड़ानों का संचालन किया गया है, जबकि इस रूट पर नियमित उड़ान सेवाएं 1 जुलाई 2026 से शुरू की जाएंगी.

यात्री क्या बोलेः दिल्ली से लखनऊ पहुंचे यात्री किरण वर्मा ने बताया कि वह दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट जेवर के लिए पहली उड़ान से यात्रा करने के लिए पहुंचे हैं. लखनऊ एयरपोर्ट पर विशेष इंतजाम किए गए हैं. आज लखनऊ से नोएडा के लिए पहली उड़ान है जिससे मैं यात्रा कर रहा हूं. इससे मुझे बहुत ही गर्व की अनुभूति हो रही है. लखनऊ से नोएडा के बीच की यह उड़ान काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि लखनऊ से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग नोएडा के लिए जाते हैं.

लखनऊ में ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण के बदले नियम, अत्याधुनिक टेस्टिंग ट्रैक करना होगा पार

(जीएनएस)।

लखनऊ। यदि आपके ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) की अवधि पूरी हो गई है और उसका नवीनीकरण नहीं कराया है तो लाइसेंस बनवाने के लिए फिर टेस्ट देना पड़ सकता है।

राजधानी में आटोमेटिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर (एडीटीसी) संचालन को राज्य सड़क परिवहन प्राधिकरण से मंजूरी मिल गई है। इसी माह के अंत तक केंद्र शुरू होगा, जहां सेंसर व कैमरों की कड़ी निगरानी में टेस्ट होगा। 3.25 मिनट में अत्याधुनिक टेस्टिंग ट्रैक पार न करने वालों का डीएल नवीनीकरण लटक सकता है।

राजधानी में जुगाड़ से परमानेंट डीएल बनवाने की परिपाटी बदलने जा रही। कुछ ही दिनों में परमानेंट डीएल का आनलाइन स्लाट बुक कराने वालों को पहले ट्रांसपोर्ट नगर या देवा रोड एआरटीओ कार्यालय जाना होगा।

आवेदन पत्र की स्क्रूटनी और बायोमीट्रिक कराने के बाद आवेदक को उदेतखेड़ा मौंदा की राह पकड़नी होगी, जहां केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की गाइडलाइन पर आटोमेटिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर बना है। ट्रांसपोर्ट नगर से नादरगंज इंडस्ट्रियल एरिया होकर 12 व कानपुर रोड किसान पथ से 20 किलोमीटर की दूरी पर नया केंद्र है।

लर्निंग लाइसेंस अब तभी परमानेंट होगा, जब आवेदक वाहन चलाने का टेस्ट देगा यानि लर्निंग लाइसेंस के हर धारक को यह टेस्ट देना होगा। पहली बार परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस 40 वर्ष की आयु तक के लिए बनता है।

इसे ऐसे समझिए कि डीएल आवेदक की आयु 25 वर्ष है तो 15 वर्ष के लिए यदि 30 वर्ष है तो 10 वर्ष के लिए डीएल जारी होता है, उसके बाद हर पांच साल पर उसका नवीनीकरण होता है।

मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, डीएल एक्सपायर होने की तय तारीख से एक साल तक आवेदक को टेस्ट नहीं देना पड़ता है, जबकि डीएल एक्सपायर होने के एक साल बाद टेस्ट देकर ही डीएल बन सकेगा। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि अब ड्राइविंग लाइसेंस के लिए सभी को अत्याधुनिक ट्रैक पर टेस्ट देना होगा।

पहले सिम्युलेटर फिर ट्रैक पर टेस्ट

कार या ट्रक का डीएल चाहते हैं तो केंद्र पर सिम्युलेटर पर पांच मिनट का प्रशिक्षण मिलेगा। इसे सफलतापूर्वक चला लेने पर आवेदक को संबंधित वाहन के आटोमेटिक ट्रैक पर जाना होगा। ट्रैक पर प्रवेश के लिए सेंसर गेट और चार पहिया व ट्रक के लिए ट्रैक एक साथ बना है, वहीं दोपहिया का अलग है।

गोमती में 60 फीसदी तक घटा प्रवाह, 26 में 22 सहायक नदियां सूखीं

(जीएनएस)।

लखनऊ। अवध क्षेत्र की वरदान गोमती नदी की बदहाली और दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण उसका भूजल से टूटता रिश्ता है। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरणविद प्रो. वेंकटेश दत्ता के अध्ययन में सामने आया है कि गोमती रिवरफ्रंट परियोजना के दौरान बनाई गई कंक्रीट की 16 मीटर गहरी डायफ्राम दीवार ने नदी और भूजल के बीच प्राकृतिक संपर्क को बाधित कर दिया है। इससे नदी के प्रवाह में करीब 60 प्रतिशत तक कमी आ गई है।

स्थिति की गंभीरता इस तथ्य से समझी जा सकती है कि गोमती की 26 सहायक नदियों में से 22 पूरी तरह सूख चुकी हैं, जबकि कल्याणी, कथना जैसी शेष चार में ही थोड़ा बहाव बचा है। पीलीभीत, सीतापुर और उन्नाव जैसे क्षेत्र के अनेक प्राकृतिक जलस्रोत भी समाप्त हो रहे हैं। डॉ. दत्ता ने बताया कि लखनऊ में नदी के कुल प्रवाह का 76 प्रतिशत हिस्सा भूजल से प्राप्त होता है। लगातार भूजल दोहन के कारण जलस्तर अब काफी नीचे पहुंच गया है, जिससे नदी को मिलने वाला प्राकृतिक जल प्रवाह प्रभावित हुआ है।

कब्जों और अतिक्रमण से सिमटा नदी का विस्तार

रिपोर्ट में नदी के बाढ़ क्षेत्र पर बढ़ते अतिक्रमण को भी संकट का प्रमुख कारण बताया गया है। आज देखें तो गोमतीनगर का एक बड़ा हिस्सा गोमती की जमीन पर नदी के पुराने बाढ़ क्षेत्र में ही बसा हुआ है। वर्ष 1970 के बाद तटबंध निर्माण के साथ शुरू हुए कब्जों के कारण नदी का प्राकृतिक विस्तार लगातार सिकुड़ता गया है। कई स्थानों पर नदी की चौड़ाई और प्रवाह क्षेत्र 100 मीटर तक कम हो गया है।

10 मीट्रिक टन कचरा रोज बढ़ा रहा प्रदूषण

गोमती दर्शन यात्रा के संयोजक अनुराग पांडेय के मुताबिक, बायोडिग्रेडेबल मानवीय कचरे के अतिरिक्त, अनुमानित 10 मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट, निर्माण सामग्री, घरेलू कचरा और प्लास्टिक के रूप में कचरा गोमती में डाला जा रहा है, जो नदी को चोक कर रहा है। नदी के पानी में हैदर नाला, कुकरैल और घसियारी मंडी नाले का सीधे गिरना, घटता घुलित ऑक्सीजन और टोटल कॉलिफॉर्म का बढ़ता स्तर भी बड़ी समस्या है। इसकी हालत सुधारने के लिए गोमती और इसकी सभी सहायक नदियों की पूरी मैपिंग जरूरी है।

यह है समाधान

पर्यावरणविदों का कहना है कि गोमती को बचाने के लिए नदी को उसके प्राकृतिक स्वरूप में लौटाना होगा। पुराने तालाबों और वेटलैंड्स को पुनर्जीवित करना, गाद की सफाई, हरित पट्टी और आर्द्रभूमि विकसित करना, बाढ़ क्षेत्र से अतिक्रमण हटाना और बिना शोधन वाले सीवेज और औद्योगिक कचरे का नदी में गिरना रोकना जरूरी है।

क़0 वर्षों में गोमती एक्शन प्लान और नदी तट विकास परियोजनाओं आदि पर नदी तंत्र की वैज्ञानिक समझ के बिना लगभग 2,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, लेकिन गोमती की हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके उलट गोमती की प्राकृतिक प्रवाह प्रणाली, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को गंभीर नुकसान पहुंचा है। - प्रो. वेंकटेश दत्ता, पर्यावरणविद

कोमती नदी की बदहाल स्थिति का बड़ा कारण नदी किनारे बढ़ता अतिक्रमण और निर्माण कार्य है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निर्देशों के तहत नदी के 300 मीटर दायरे में निर्माण नहीं होना चाहिए, इसके बावजूद विकास परियोजनाएं जारी हैं। पिपराघाट से किसान पथ तक प्रस्तावित करीब 11 किलोमीटर लंबे ग्रीन कॉरिडोर, कंक्रीट की दीवारें और ऊंची इमारतों से नदी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हो रहा है। - आलोक सिंह, पर्यावरणविद

लखनऊ स्टेशन पर एयर कॉनकोर्स का निर्माण कार्य शुरू, 21 ट्रेनों का बदला रास्ता, जानिए रूट

लखनऊ स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या चार पर ब्लॉक लिए जाने के कारण परिवर्तन.

(जीएनएस)।

लखनऊः रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण लखनऊ स्टेशन पर एयर कॉनकोर्स निर्माण करा रहा है. लखनऊ स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या चार पर ब्लॉक लिए जाने के कारण उत्तर रेलवे प्रशासन ने आज यानि रविवार से 23 जून तक कुछ ट्रेनों का मार्ग अस्थायी रूप से बदलने का फैसला लिया है. रेलगाड़ियों का संचालन लखनऊ स्टेशन के स्थान पर अमौसीझट्रांसपोर्ट नगरझउतरेटिया रेलखंड से किया जाएगा. उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम समर्थ गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों को समय पर भी संचालित किया जाएगा.

रोजाना 23 जून तक

14307 प्रयागराज संगमझबरेली एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

14241 प्रयागराज संगमझ सहारनपुर एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

14242 सहारनपुरझप्रयागराज संगम एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

13257 दानापुरझआनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

13258 आनंद विहार टर्मिनलझ दानापुर एक्सप्रेस

15127 बनारसझनई दिल्ली एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

15128 नई दिल्लीझबनारस एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

15119 बनारसझदेहरादून एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

15120 देहरादूनझबनारस एक्सप्रेस रोजाना 23 जून तक

अन्य ट्रेनें

15075 शक्तिनगरझटनकपुर एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

15073 सिंगरौलीझटनकपुर एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

15074 टनकपुरझसिंगरौली एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

15076 टनकपुरझशक्तिनगर एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

13037 हावड़ाझदेहरादून एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

13035 हावड़ाझदेहरादून एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

13038 देहरादूनझहावड़ा एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

13036 देहरादूनझहावड़ा एक्सप्रेस (निर्धारित संचालन दिवसों पर)

14523 बरौनीझअम्बाला कैंट एक्सप्रेस (15, 18 और 22 जून)

14524 अम्बाला कैंटझबरौनी एक्सप्रेस (16, 20 और 23 जून)

14229 प्रयागराज संगमझयोगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस (14, 16, 18, 21 और 23 जून)

14230 योगनगरी ऋषिकेशझ प्रयागराज संगम एक्सप्रेस (15, 17, 19 एवं 22 जून)

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम समर्थ गुप्ता ने बताया कि सभी ट्रेनों का संचालन लखनऊ स्टेशन के स्थान पर अमौसीझट्रांसपोर्ट नगरझउतरेटिया रेलखंड के माध्यम से किया जाएगा. मार्ग परिवर्तित रेलगाड़ियों को अमौसी स्टेशन पर 10 मिनट और उतरेटिया स्टेशन पर पांच मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा. यात्रियों से अनुरोध है कि सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा के लिए टिकट सिर्फ अधिकृत माध्यमों से ही लें. यात्रा संबंधी जानकारी लेने और अनारक्षित टिकट बुक करने हेतु रेलवन ऐप का प्रयोग करें.

पेपर लीक के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोका

(जीएनएस)।

लखनऊ। नीट, लेखपाल और एसआई परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक होने के विरोध में जनभवन का घेराव करने जा रहे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं को पुलिस घसीटकर ले गई।

प्रदर्शनकारियों को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के पास ही पुलिस ने बैरिकेडिंग करके रोक लिया। इसके बाद जब बैरिकेडिंग फांदने वाले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने घसीटकर बस में बैठा लिया और इको गार्डेन के पास लेकर छोड़ दिया।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ व मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी छात्रों ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए अपने साथियों की रिहाई की भी मांग की।

पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय से आने वाले चारों मार्गों पर बैरिकेडिंग कर रखी थी। दोपहर एक बजे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च शुरू किया।

इसी दौरान 100 मीटर आगे लगाई गई बैरिकेडिंग पर कुछ कार्यकर्ता चढ़ गए और बैरीकेडिंग टूट गई इसके कुछ कार्यकर्ता चोटिल हो गए। कुछ कार्यकर्ता बैरीकेडिंग फांदने में कामयाब रहे उन्हें पुलिस ने घसीटकर बस में बैठा लिया।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की वजह से जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खो दिया है हम उन परिवारों से मिले और उनका दर्द बांटा। उन्होंने मांग की है मृतक छात्रों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

106 वर्ष पुराने लविवि की पहली सीएसआर नीति जारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी पहली कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति जारी की है। इसका उद्देश्य उद्योग जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सहयोग से उच्च शिक्षा, नवाचार और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है। नई नीति के तहत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं और शोध संसाधनों के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

106 वर्ष पुराने विश्वविद्यालय को एनएएसी की ओर से ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त है। कार्य परिषद ने नीति के दिशा-निर्देशों को मंजूरी दे दी है और इसके क्रियान्वयन के लिए एक विशेष सीएसआर सेल का गठन किया गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि यह नीति केवल वित्तीय सहयोग का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और नवाचार की दिशा में साझा भागीदारी का प्रयास है।

नीति के तहत कॉर्पोरेट संगठन विश्वविद्यालय के बंदोबस्ती कोष, बुनियादी ढांचे और छात्र कल्याण योजनाओं में योगदान दे सकेंगे। इससे परिसर के आधुनिकीकरण के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर्स और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को भी बल मिलेगा। यह साझेदारी कंपनी अधिनियम- 2013 की धारा 135 के तहत पात्र कंपनियों को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाएगी।

गरीब और मेधावी छात्रों को मिलेगा सहारा

कॉर्पोरेट घराने मेधावी तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां शुरू कर सकेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों में संचालित शोध परियोजनाओं को वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा सकेगी। सीएसआर फंडिंग से रोबोटिक्स और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना है।

इसके अलावा स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाओं और नए हॉस्टलों के निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्रों को मजबूत करना तथा छात्रों में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग जगत का सहयोग लिया जाएगा।

कंपनियों को भी मिलेंगे अकादमिक अवसर

सीएसआर के तहत सहयोग करने वाली कंपनियों के अधिकारियों को अंशकालिक पीएचडी में प्रवेश का अवसर मिलेगा। उनके शोध का पूरा खर्च संबंधित कंपनी वहन करेगी। इससे उद्योगों को अपनी समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान तलाशने में मदद मिलेगी। कंपनियां अपने अनुभवी विशेषज्ञों को विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में भी नियुक्त कर सकेंगी। विश्वविद्यालय को प्राप्त सीएसआर राशि पर आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत कर छूट का प्रावधान भी रहेगा।

सिटी क्लब... शहर के फुटबॉल अध्याय का सुनहरा पन्ना

(जीएनएस)।

लखनऊ। आज भले ही देश में फुटबॉल का जिक्र होते ही सबसे पहले कोलकाता का नाम लिया जाता हो, लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब लखनऊ का सिटी क्लब राष्ट्रीय फुटबॉल में अपनी अलग पहचान रखता था। सत्तर के दशक में सिटी क्लब देश के शीर्ष आठ फुटबॉल क्लबों में गिना जाता था और मैदान पर उसका ऐसा दबदबा था कि मोहन बागान, ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग जैसी दिग्गज टीमें भी उसके खिलाफ मुकाबले में पूरी तैयारी और दमखम के साथ उतरती थीं।

लखनऊ के पहले अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर कैसर मिर्जा के बाद सिटी क्लब ने कई ऐसे खिलाड़ी दिए, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर क्लब की प्रतिष्ठा को बनाए रखा। उस समय लखनऊ फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव मिर्जा कासिम हुसैन ने सिटी क्लब को नई पहचान दी। उनके निर्देशन में नवाब हादी, सल्ली, मेहंदी अब्बास, विवेक सिंह, सीजे थापा, विजय थापा, मो. तकवी, माता प्रसाद, मान सिंह, एसएस कुशवाहा और सिराज हुसैन जैसे खिलाड़ियों ने लंबे समय तक सिटी क्लब को देश के शीर्ष क्लबों में बनाए रखा।

कैसर मिर्जा की तो बात ही निराली थी

सिटी क्लब के स्टार स्ट्राइकर कैसर मिर्जा अपनी तेजतर्रार खेल शैली और गोल करने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। प्रतिद्वंद्वी टीम को अक्सर अंदाजा ही नहीं लग पाता था कि वह कब गोल दाग देंगे। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मोहम्मडन स्पोर्टिंग और मोहन बागान जैसे प्रतिष्ठित क्लबों ने उन्हें अपनी ओर से खेलने का न्योता दिया। वर्ष 1940 के आसपास कैसर मिर्जा एक बेहतरीन फुटबॉलर के रूप में उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय कॅरियर की शुरुआत की। इसके बाद वह करीब दस वर्षों तक लखनऊ के सिटी क्लब के कप्तान रहे। अपने लंबे कॅरियर में उन्होंने यूपी की ओर से आईएफए कप (कोलकाता), डूरंड कप (दिल्ली), रोवर्स कप (मुंबई), आमंत्रण कप (जयपुर), कोलकाता लीग और संतोष ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में भाग लिया। मिर्जा ने लंबे समय तक मोहम्मडन स्पोर्टिंग के लिए खेला और बाद में कुछ वर्ष मोहन बागान टीम के साथ भी बिताए।

मुझे आज भी याद है कि जब पुलिस लाइन में सिटी क्लब की टीम अभ्यास करती थी तो मैं गेंद उठाकर खिलाड़ियों को देता था। यहीं से मैंने इस खेल का अपना लिया। अपने कॅरियर के शुरुआती दिनों में लखनऊ के बड़े खिलाड़ियों के बीच रहा। बाद में स्पोर्ट्स कोटे के आधार पर मुझे पोस्टल विभाग में नौकरी मिली और आज भी सचिव के रूप में लखनऊ के फुटबॉल से जुड़ा हुआ हूं। - कन्हैया लाल (सचिव, जिला फुटबॉल एसोसिएशन)